विश्व मानक दिवस का आयोजन

भारतीय मानक ब्यूरो ने 14 अक्तूबर 2013 को विश्व मानक दिवस मनाया गया। यह अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) के स्थापना दिवस के रूप में विश्व भर में मनाया जाता है। इस अवसर पर संगोष्ठी का उदघाटन माननीय प्रो के वी थॉमस, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने किया।

अपने उदघाटन भाषण में प्रो के वी थॉमस ने कहा कि आज जब विश्व के सामने संवहनीयता और वित्तीय अनिश्चितताओं जैसी विभिन्न चुनौतियों है जिसके लिए किसी भी संगठन को दक्ष एवं लागत प्रभावी होना जरूरी है, ऐसे में वर्तमान वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के परिवेश में उक्त विषय वास्तव में बहुत प्रासंगिक है। कम से कम हानि, व्यय अथवा अनावश्यक प्रयासों से बचते हुए उत्तम गुणता के उत्पाद तैयार करने या सेवाएं देने के लिए प्रक्रियाओं को लागू करते हुए लक्ष्यों को हासिल करना क्षमता ही दक्षता है। मानक अंर्तविनिमियता और आवश्यक अंर्तसंचालनीयता प्रदान करते हैं। मानक उत्पादों की गुणता, सुरक्षा और कार्यकारिता निर्धारित करते हैं।

उन्होंने कहा कि मानकों से अनुरूपता उपभोक्ताओं को खरीदे गए सामान और सेवाओं की गुणता के प्रति आश्वस्त करते हैं तथा उन्हें खर्च किए गए पैसे का बेहतर मूल्य देते हैं। इस तरह मानक उपभोक्ता के विश्वास को बढ़ाते हैं। भा मा ब्यूरो का निरंतर यह प्रयास रहा है कि वह निर्दिष्ट भारतीय मानकों से उत्पादों के अनुरूपता मूल्यांकन द्वारा मानकीकरण के फायदों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाए। इससे उपभोक्ताओं को गुणता वाले उत्पाद मिलने के साथ-साथ उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

श्री पंकज अग्रवाल, सचिव, उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने विशेष अभिभाषण में कहा कि आज के संदर्भ में विश्व मानक दिवस का विषय बिलकुल अनुकूल है क्योंकि विश्व की बढ़ती जनसंख्या के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों जैसे जीवाश्म ईंधन, खनिज, वन और तटीय क्षेत्रों के निकट भूमि की मांग बढ़ रही है। इसलिए हमारे सभी क्रियाकलापों में अपशिष्ट को कम करना और दक्षता को बढ़ाना महत्तवपूर्ण है। हम ऊर्जा एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के सही उपयोग से इस चुनौती का सामना कर सकते हैं। इसके लिए हम नवीकरण योग्य कच्चे माल, पुर्नउपयोगिता और रिसाइकलिंग एवं पुन:प्राप्ति के प्रयोग को बढ़ा सकते हैं तथा सौर एवं पवन ऊर्जा, जैव ईंधन, सीएनजी जैसे गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का अधिक प्रयोग कर सकते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक श्री सुनील सोनी ने कहा कि वर्तमान संदर्भ में यह विषय बहुत प्रासंगिक है। अक्सर यह कहा जाता है कि इस विश्व में परिवर्तन अपरिहार्य है। हम प्रत्येक क्षेत्र में पहले से बहुत तेज़ी से बदल रहे हैं, चाहे फिर वह परिवहन का क्षेत्र हो या ऊर्जा का हो, स्वास्थ्य का हो या फिर कोई अन्य क्षेत्र हो। यह हमारे जीवन के प्रत्येक कार्य को प्रभावित कर रहा है।

विश्व मानक दिवस 2013
WORLD STANDARDS DAY 2013
अन्तर्राष्ट्रीय मानक सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित करते हैं
INTERNATIONAL STANDARDS ENSURE POSITIVE CHANGE
14 अक्टूबर 2013, नई दिल्ली
14 October 2013, New Delhi
ALKA PANDA
PANKAJ AGRAWALA
PROF. K. V. THOMAS
SUNIL SONI
DR. SNEH BHATLA